

INNOVATION... टेक फेस्ट 'अगस्त्या' में सलेक्ट हुआ प्रोजेक्ट प्लास्टिक से बनेगा फ्यूल! जयपुर के स्टूडेंट्स ने पूरा किया रिसर्च वर्क

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

जयपुर ♦ आज पर्यावरण के लिए प्लास्टिक सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। प्लास्टिक का यूज बढ़ने के साथ प्लास्टिक कचरा दिनों-दिन ज्यादा होता जा रहा है। देश में आज सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कैम्पेन चल रहा है। इस बड़ी समस्या का सॉल्यूशन जयपुर के इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने निकाला है। आने वाले दिनों में प्लास्टिक से फ्यूल बनाना संभव हो जाएगा। जयपुर की पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के स्टूडेंट ललित अग्रवाल और शिवेंद्र सिंह ने मिलकर मॅटर डॉ. रेखा नायर और सुग्रीव चौधरी के सुपरविजन में प्रोजेक्ट का रिसर्च वर्क पूरा कर लिया है।

ललित और शिवेंद्र ने बताया कि पांच साल पहले प्लास्टिक वेस्ट से फ्यूल बनाने को लेकर अमरीका में एक जर्नल पब्लिश हुआ था, लेकिन उसमें कुछ कमियां थीं। हमने सालों की मेहनत से इसकी प्रॉब्लम्स दूर कर ली हैं। डॉ. नायर ने बताया कि पॉलिथीन, पानी की बोतल जैसे 15 तरह के प्लास्टिक से फ्यूल बन सकेगा। सबसे पहले प्लास्टिक को रीसाइज कर इसे 350 डिग्री से 450 डिग्री पर हीटअप (बिना ऑक्सीजन) करने के बाद कंडेंस किया जाएगा। ठंडा होने के बाद ये दो फॉर्म में आ जाएगा। लिक्विड फॉर्म फ्यूल में कन्वर्ट हो जाएगा, वहीं गैस का भी इंडस्ट्रीयल यूज हो जाएगा।

350

से 450 डिग्री पर बिना ऑक्सीजन किया जाएगा हीटअप



शिवेंद्र सिंह और ललित अग्रवाल

रेलवे स्टेशन-बस स्टैंड पर लग सकेगा सेटअप

जयपुर के साथ हैदराबाद और देहरादून यूनिवर्सिटी में भी इस पर काम चल रहा है। सबसे खास बात ये है कि इसका सेटअप रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसी जगहों पर बहुत कम स्पेस में भी लग सकेगा। वहीं इस फ्यूल की कीमत भी 35 रुपए लीटर के आस-पास होगी।

पेट्रोल-डीजल से थोड़ी कम होगी कैलोरिफिक वैल्यू

आइआईटी दिल्ली में 23 जनवरी से आयोजित होने जा रहे आइआईटी टेक फेस्ट 'अगस्त्या' के लिए स्टूडेंट्स का प्रोजेक्ट सलेक्ट हो गया है। ललित और शिवेंद्र इस टेक फेस्ट में प्रजेंटेशन देंगे। उन्होंने बताया कि जहां पेट्रोल की कैलोरिफिक वैल्यू 45.8 और डीजल की 45.5 है। वहीं प्लास्टिक से बनने वाले फ्यूल की कैलोरिफिक वैल्यू 40 के करीब होगी।